अहवाल लेखन

स्वच्छता पखवाड़ा

(01 September - 15 September)

जलशक्ति अभियान कार्यक्रम

विषय : माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता पखवाड़ा के अनुसार ''जलशक्ति अभियान'' कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए की गई कारवाई के बारे में अहवाल लेखन।

डॉ. शहनाज़ एन्. काज़ी, प्राचार्या, डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर को जिल्हा शैक्षणिक सातत्यपूर्ण विकास संस्था DIECPD, रविनगर, नागपुर द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अनुसार ''जलशक्ति अभियान'' के प्रति पत्र प्राप्त हुआ, उन्होंने सभी सहायक शिक्षिकाओं के साथ सभा का आयोजन कर चर्चा के साथ कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए नियोजन तैयार किया।

कार्यक्रम नियोजन

अ.क्र.	दिनांक	कार्यक्रम
01	09 / 09 / 2019	शिक्षिका सभा का आयोजन
	—— '' ——	शपथ ग्रहण कार्यक्रम
	—— '' ——	सफाई अभियान कार्यक्रम
02	11 / 09 / 2019	वृक्षारोपण कार्यक्रम
	—— '' ——	निबंध स्पर्धा कार्यक्रम डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष (विषय : Water Conservation ''जल संरक्षण'')
03	12 / 09 / 2019	पोस्टर मेंकिंग प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष
04	13 / 09 / 2019	इंटर स्कूल चित्रकारी प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम (विषय : Save Water ''जल बचाओ'')
	—— '' ——	व्याख्यान, एक्ट, ड्रामा प्रस्तुतीकरण डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष
05	14 / 09 / 2019	स्थानिक सर्वेक्षण जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

स्वच्छता न केवल हमारे घर, सड़क तक के लिए ही आवश्यक नहीं अपि तु राष्ट्र की आवश्यकता हैं। इस से न केवल हमारा घर–ऑगन ही स्वच्छ रहेगा अपि तु पूरा देश स्वच्छ रहेगा। भारत के प्रधानमंत्री श्री. नरेन्द्र मोदी जी ने 2 अक्तूबर वर्ष 2014 को महात्मा गांधी जी की 145 वीं जयंती के अवसर पर इस अभियान की शुरुआत की। भारत की छवी को बदलने के लिए देश को एक मुहिम से जोड़ने के लिए जन आंदोलन बनाकर इस की शुरुआत की। इस आंदोलन में शामिल होकर देश के विकास में एक छोटा सा प्रयास डॉ. ज़ाकिर हुसैन अध्यापक विद्यालय, मोमिनपुरा, नागपुर द्वारा किया गया।

शपथ ग्रहण तथा सफाई अभियान कार्यक्रम

दिनांक 09/09/2019 को डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में प्राचार्या डॉ. शहनाज एन्. काज़ी तथा समस्त शिक्षिकाओं ने छात्राओं (डी.एल्.एड्. प्रथम व द्वितीय वर्ष) द्वारा शपथ ग्रहण की गई तथा कॉलेज में स्वच्छ परिसर उपक्रम का आयोजन किया गया तथा विद्यालय का परिसर स्वच्छ व सुशोभित करने के लिए विद्यालय कक्षाओं की सफाई, आसपास की सफाई, स्वच्छता गृह की सफाई का आयोजन किया गया। प्राचार्या तथा समस्त शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में सफाई अभियान संपन्न हुआ।

''जल संरक्षण'' आवश्यकता एवं महत्त्व

जल संरक्षण में सभी नीतियों, रणनीतियों और गतिविधियों में ताजे पानी के प्राकृतिक संसाधन का निरंतर प्रबंधन करना, जल मंडल की रक्षा करना और वर्तमान और भविष्य की मानवीय मांग को पूरा करना सम्मिलित हैं। जन संख्या, घरेलू आकार, विकास और समृद्धि सभी प्रभावित करते हैं कि पानी का कितना उपयोग किया जाता ह। जलवायु परिवर्तन जैसे कारको ने विशेष रूप से विनिर्माण और सिंचाई में कृषी आदि प्राकृतिक जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा दिया है।

सृष्टि द्वारा निर्मित पॉच तत्त्व जिनसे समस्त जीवन व्याप्त है – – जल, वायु, अग्नि, आकाश और पृथ्वी यदि इन में से एक तत्त्व को हटा दिया जाए तब क्या होगा??

स्वच्छ और शुद्ध पेयजल का व्यर्थ बहाव न करते हुए उसको सुनिश्चित तरीके से उपयोग में लाकर जल के बचाव की ओर किए गए कार्यों को सफल बनाना और परिपालन करना हमारा कर्तव्य है।

जलसंरक्षण क्यों जरूरी है?

पेयजल की कमी के कारण बड़े शहरों में पेयजल बाजारों में बिकता है। यही हाल रहा तो वो समय दूर नहीं कि हमें जमीन से पानी निकालना ही कठिन हो जाएगा और पेयजल की मात्रा में भारी गिरावट होगी। अनाज, फल, सब्ज़ियॉ, ... जिसका हम सभी उपयोग करते हैं, अगर खेतों की सिंचाई के लिए पानी ही न होगा और खाद्यान्न की पैदावर कम होगी तो भूखमरी की अवस्था उत्पन्न हो जाएगी। पेयजल की कमी होने से लोग इसका उपयोग कम से कम करेंगे और शुद्ध पेयजल न होने के कारण बीमारियॉ पनपना शुरू हो जाएगी और धीरे धीरे से एक बड़ी महामारी का रूप लेगी। धरती बंजर होने लगेगी और धीरे धीरे चटकना शुरू कर देगी जो कि भूकंप जैसे हालतों को बढ़ावा देता हैं। वायु मंडल तापमान निरंतर बढ़ रहा है और कई शहरों में तो जाड़ों के मौसम में भी गर्मी की हालत रहती है ... ऐसे में यदि पानी की कमी आती है तो मानव एवं जानवरों दोनों ही गर्मी से बुरी तरह झुलसने के शिकार होगे।

उपरोक्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, तथा देश को पानी की भयंकर कमी से बचाने के लिए हमें भी ''संचय जल, बेहतर कल'' अभियान से जुड़ना जरूरी हैं। इसी अभियान के अन्तर्गत डॉ. जाकिर हुसैन अध्यापक विद्यालय, मोमिनपुरा, नागपुर द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में पानी की कमी के संदर्भ में जागरूकता का कार्य किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं निबंध स्पर्धा कार्यक्रम

दिनांक 11/09/2019 के दिन सर्वप्रथम वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिस में डी.एल्.एड्. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं के पालकों को सम्मिलित कर वृक्षारोपण के महत्त्व के सम्बन्ध में विद्यार्थियों एवं पालकों में जागरूकता का प्रयास किया गया।

इसी प्रकार कॉलेज में ''जल संरक्षण'' विषय पर आधारित निबंध स्पर्धा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया व छात्राओं में जलसंकट, एवं जल संरक्षण के संदर्भ में जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया।

पोस्टर मेकिंग प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम

दिनांक 12/09/2019 को डॉ. जाकिर हुसैन अध्यापक विद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिस का विषय भी ''जलशक्ति अभियान'' के अनुसार ''जल संरक्षण'' था। प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष की छात्राओं को गट बनाकर यह कार्य दिया गया ताकि सभी छात्राएँ गट में मिलकर अपनी क्रियात्मकता का प्रदर्शन करें तथा जलसंकट के संदर्भ तथा जल संरक्षण के प्रति उनकी अधिक रूचि विकसित हो सके।

इंटर स्कूल चित्रकारी प्रतिस्पर्धा
तथा व्याख्यान, एक्ट, नाटक प्रस्तुतीकरण

दिनांक 13/09/2019 को डॉ. ज़ाकिर हुसैन उर्दु ज्यूनियर कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, मोमिनपुरा, नागपुर में पॉच उच्च प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों के लिए चित्रकारी स्पर्धा का आयोजन किया गया। चित्रकारी स्पर्धा का विषय ''पानी बचाव'' दिया गया था, जिस पर उच्च प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों ने खूब क्रियाशीलता का प्रदर्शन किया। पॉच उच्च प्राथमिक शालाओं में से प्रथम स्थान पर मजिदिया गर्ल्स प्रायमरी स्कूल ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर मोहम्मद अली सराए, मोमिनपुरा, नागपुर के विद्यार्थी तथा तृतीय स्थान पर क़मर हाई स्कूल तथा इस्लामियॉ हाई स्कूल ने प्राप्त किया। चित्रकारी स्पर्धा के साथ ही डॉ. जाकिर हुसैन उर्दु कॉलेज की प्रथम व द्वितीय वर्ष की विद्यार्थियों ने उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के समक्ष व्याख्यान पी.पी.टी. द्वारा, नाटक एवं एक्ट प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में पॉच शालाओं के उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों से कार्यक्रम के संबंध में प्रश्न पूछे गये, कार्यक्रम का उद्देश क्या था? तथा विद्यार्थियों ने क्या सीखा? तथा भावी जीवन में ''पानी बचाना'' और पानी के महत्त्व को समझने का वचन लिया गया। यदि एक व्यक्ति भी अपना उत्तरदायित्व समझ कर पानी की बचत करता है, तो हजारों लीटर पानी की बचत होती है तथा बूंद बूंद से सागर बनता है। इस प्रकार बच्चों में जल संरक्षण के सम्बन्ध में जागरूकता लाने का छोटा सा प्रयास विद्यालय द्वारा किया गया।

स्थानिक सर्वेक्षण एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 14/09/2019 को डॉ. जाकिर हुसैन अध्यापक विद्यालय में ''जल संरक्षण'' जागरूकता के संबंध में स्थानिक सर्वेक्षण किया गया। डॉ. एम्. अतिक के घर पर जब हमने भेंट दी तो उनके घर पर Water Harvesting तथा जल संरक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया देखने को मिली। यह एक बहुत ही अच्छा उदाहरण हमें देखने को मिला। यदि सभी समाज के व्यक्ति इस प्रकार से जलसंरक्षण के लिए सज़ग हो जाए तो हमारे देश में पानी की कमी न होगी।

निष्कर्ष

इस कार्यक्रम के आयोजन द्वारा डी.एल्.एड्. प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओं में ''जल संरक्षण'' द्वारा नवीन दृष्टिकोण निर्माण हुआ। उच्च प्राथमिक शालाओं के विद्यार्थियों में जल का महत्त्व एवं उसका सही प्रयोग समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस प्रकार कार्यक्रम द्वारा हम यह आशा करते हैं कि जिन 130 विद्यार्थियों द्वारा उन के विद्यालयों के विद्यार्थियों में यह बात पहुँचाई उस से भविष्य में वह अपना उत्तरदायित्व समझ कर करें क्योंकि यह आज के विद्यार्थी कल देश के योग्य नागरिक बनेंगे तथा सुंदर विद्यालय से सुंदर समाज, सुंदर समाज से सुंदर देश बनता है।

★ ★ ★